Government Girls PG College, Ghazipur

Department of Hindi

Postgraduate Program in Hindi

GENERAL PROGRAM OUTCOME

< हिंदी में प्रभावी संचार कौशल के विकास हेतु सहायक।

< छात्रों की भाषाई क्षमता का विकास कर उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि करना।

< हिंदी भाषा और साहित्य की उत्पत्ति को समझने में सहायक।

< हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं की समझ विकसित करने में उपयोगी सिद्ध होगा।

< समृद्ध हिंदी शब्दावली से परिचित होंगे तथा उनके उपयोग के प्रति आकर्षित होंगे।

< हिंदी साहित्य- दर्शन की समझ विकसित करना।

< अतीत से वर्तमान तक के हिंदी साहित्य का मूल्यांकन और इसे समाज को समझने के लिए एक लेंस के रूप में उपयोग करने की दृष्टि विकसित करने में सहायक।

< राष्ट्रीय भाषा के ज्ञान का प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग को बढ़ावा देने में सहायक।

< बदलते परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोक साहित्य के माध्यम से लोक भावनाओं की समझ विकसित करने में सहायक।

< व्यावसायिक एवं अभिमुखी पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों के कौशल के विकास में सहायक।

< पर्यावरण के प्रति सजगता, सक्रियता एवं उपयोगिता के प्रति सकारात्मक समझ विकसित करने में सहायक।

PROGRAM SPECIFIC OUTCOMES

< छात्रों के लेखन कौशल को निखारता है और वे अकादमिक लेखन की परंपराओं को सीखते हैं।

< हिंदी साहित्य के लिए एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करने में सहायक।

< विभिन्न प्रकार के साहित्यिक आयोजनों के संपर्क में आने से भाषा कौशल एवं विचारों का संवर्धन होता है।

< एक रोजगार परक विषय के रूप में भाषा की सृजनात्मकता को विकसित किया जा सकेगा जिसके पश्चात विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से यथायोग्य रोजगार प्राप्त करने में सक्षम हो सकता है।

< NET/SLET/Ph.D जैसी प्रवेश परीक्षाओं के लिए योग्यता प्रदान करता है। जिससे डिग्री धारित विद्यार्थी उच्च-शिक्षण संस्थानों में सहायक प्राध्यापक की सेवाएं दे सकता है।

< साहित्य लेखन, पत्र-पत्रिका संपादन एवं आलेख कौशल, पत्रकारिता, विज्ञापन लेखन,आदि क्षेत्रों में कौशल का विकास।

< साहित्य एवं उसकी विविध विधाओं के प्रति आलोचकीय एवं शास्त्रीय दृष्टिकोण का विकास करना।

< लुप्त हिंदी भाषा परिवार की भाषाओं एवं निरंतर लोप की अवस्था की ओर बढ़ रही भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित करना।

< समाज को सुदृढ़ बनाने, समरसता, सौहार्द, भेदभाव मुक्त सामाजिक परिवेश निर्माण एवं नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक।